भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3957

जिसका उत्तर 19.12.2024 को दिया जाना है

एक्सप्रेसवे पर यातायात की भीड़-भाड़

3957. डॉ. मल्लू रवि:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का देशभर में, विशेषकर तेलंगाना में राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात प्रवाह में सुधार लाने के लिए प्रवेश / निकास स्थलों की पुनर्संरचना करके भीड़-भाड़ को कम करने का कोई प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सिद्धार्थ विहार, गाजियाबाद के निकट इस क्षेत्र के निवासियों के लिए यातायात की भीड़-भाड़ को कम करने के लिए प्रवेश/निकास बिन्दुओं की पुनर्संरचना करके यातायात की भीड़-भाड़ को दूर करने की कोई विशिष्ट योजनाएं हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 'क्रासिंग रिपब्लिक टाउनशिप' के निकट एक्सप्रेसवे तक पहुंचने का प्रयास करते समय राष्ट्रीय राजमार्ग-9 के गलत ओर से वाहन चलाने के कारण यातायात में उत्पन्न होने वाले व्यवधान को दूर करने के लिए कोई विशिष्ट उपाय शुरू किए हैं; और

(घ) यदि हां, तो यातायात प्रवाह में सुधार लाने और प्रभावित प्रवेश / निकास बिन्दुओं पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रस्ताव के अंतर्गत उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) का विकास और रखरखाव एक सतत प्रक्रिया है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर भीड़भाड़ कम करने के लिए विकास परियोजनाओं सहित कार्य यातायात घनत्व, सड़कों की स्थिति, परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के आधार पर किए जाते हैं।

तेलंगाना सहित विभिन्न राज्यों के लगभग 28 शहरों में रिंग रोड के विकास सहित लगभग 191 जाम/भीड़भाड़ वाले स्थानों को कम करने के कार्य की पहचान की गई थी। इन 191 जाम/भीड़भाड़ वाले स्थानों में से 84 को सुधार दिया गया है, जिनमें तेलंगाना राज्य के 2 जाम/भीड़भाड़ वाले स्थान शामिल हैं, तथा देश के अन्य 68 जाम/भीड़भाड़ वाले स्थानों पर कार्य शुरू कर दिए गए हैं/कार्य सौंप दिए गए हैं।

(ख) दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के मुख्य कैरिजवे पर कोई भीड़भाड़ नहीं देखी गई है। मुख्य रूप से, सुबह और शाम के समय गाजियाबाद/नोएडा से आने-जाने वाले यातायात के कारण सर्विस/स्लिप रोड

पर प्रवेश/निकास बिंदुओं पर भीड़भाड़ देखी जाती है। प्रवर्तन एजेंसियों से अनुरोध किया गया है कि वे सुचारू यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय करें।

(ग) और (घ) इस एक्सप्रेसवे पर उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली (एटीएमएस) संस्थापित किया गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) एटीएमएस के माध्यम से राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के साथ यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के उल्लंघन के आंकड़ों को साझा करता है। एनआईसी के पास पहले से ही उल्लंघन के आंकड़ों को प्रवर्तन एजेंसियों [जैसे: यातायात पुलिस / क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ)] को चालान/जुर्माना जारी करने के लिए भेजने के लिए प्लेटफॉर्म मौजूद है। रियायतकर्ता ने यातायात को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त संख्या में ट्रैफिक मार्शल और नियमित रूट पेट्रोलिंग भी लगाई है ताकि यात्रियों को किसी भी तरह की यातायात की भीड़ और असुविधा से बचाया जा सके।

*****